

अमूल ब्रांड की 30 हजार किलो एक्सपायरी सामग्री नष्ट करवाई

जयपुर । सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सप्ली टीम द्वारा खो नागरियान में मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर पर की गई कार्यवाही में सीज किया गया अमूल ब्रांड के एक्सपायरी नूडल्स, केच अप, म्योनीज एवं सॉस को नष्ट करवाने की कार्यवाही की गई। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि फर्म मालिक गगन आहुजा ने नगर निगम द्वारा जारी नष्टीकरण की स्वीकृति अंदेश पेश किए गए। जिस पर शनिवार टीम को भेज कर छह ट्‍रकों में अवधिपार सामग्री को परकर मथुरादास कचरागाह ले जाकर नष्ट करवाया गया। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने भी मौके पर पहुंचकर अवधिपार माल की तस्दीक कर अमूल ब्रांड का होना सत्यापित किया। गौरलभ है कि टीम द्वारा पिछले दिनों 181 पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही में अमूल ब्रांड की लगभग 30 हजार किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री पकड़ी थी। जिसमें अमूल ब्रांड के अलग अलग पैकेज के सॉसेज,म्योनीज,एनबी ड्रिंक,केच अप आदि के पैकेट्स जो अवधिपार हो गए थे उनकी डेटे मिटाकर नई डेटे प्रिंट करने की तैयारी थी। टीम ने गोदाम को सील कर दिया था । जिसे खुलवाकर नष्टीकरण की कार्यवाही की गई। टीम द्वारा गोदाम का निरीक्षण किया गया। जिसमें अवधिपार सामग्री की मात्रा और भी अधिक पाई गई । जिसे उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सोमवार को नष्ट किया जाएगा। तब तक के लिए गोदाम को पुनः सील कर दिया गया है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटीयानी, विनोद थारवान, राजेश नागर, नंद किशोर कुमावत,अवधेश गुप्ता एवं राजेश नागर शामिल रहे।

डॉ. लीलाधर का एकल कविता पाठ

जयपुर । जनसम्पर्क मित्र की और से शनिवार को यहाँ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में कवि डॉ. लीलाधर दोचानिया का एकल काव्य पाठ आयोजित किया गया। उन्होंने अपने नव प्रकाशित कविता संग्रह जिंदगी मुस्कुराती रहे में से अपनी चुनिंदा कविताओं का वाचन किया। मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत उनकी कविताएं सराही गई। इस अवसर पर ईश्वर माथुर, बाल मुकुंद आझा, अलका सक्सेना, चीना करमचंदानी, रेणु चुनेजा, रवि गोस्वामी, गोविंद शर्मा और राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

एसकेआईटी कॉलेज में वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का छह दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह, कॉलेज के वार्षिक समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर लेक्चरर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मेटाक्वब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल ने की और इन्फोसिस लिमिटेड के गुप प्रोजेक्ट मैनेजर मनन गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात संस्थान के अध्यक्ष सुरजा राम मील, निदेशक जयपाल मौल और निदेशक (अकादमिक) प्रो. एस.एल. सुराणा ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कामयाबी की परिभाषा केवल सफलता मिलना नहीं होता, विनम्रता के साथ जीवन जीना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर कॉलेज के रजिस्ट्रार रचना मील, प्राचार्य-प्रो. रमेश कुमार पचार, वाईसचेयरमैन अनिल बाफना, डीन डॉ आर के जैन समेत अन्य गणमन्य लोग उपस्थित हुए। प्रो. सुराणा ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने नृत्य, नाटक एवं गायन की शानदार प्रस्तुतियां से पूरे माहौल को कल्चरल एक्टिविटीज के रंग में सराबोर कर दिया। सांस्कृतिक संस्था में नवरस की थीम पर आधारित नृत्य शिव तांडव, ऑपरेशन सिंदूर और नाटकों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें श्रृंगार, करुणा, वीर, हास्य, वीभत्स, अद्भुत, भयानक, रौद्र और शांत रस का प्रदर्शन किया गया।

नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर । दर्शक संस्था द्वारा आयोजित 36वीं महेंद्र भट्ट स्मृति अखिल भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता के तीसरे दिन उपशास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड नृत्य एवं लोक नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जो भारतीय बैले शैली के जनक उदय शंकर को समर्पित रही। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भाव-भंगिमाओं, लयात्मक गतियों और मंचीय अनुशासन के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों एवं निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी दिन दोपहर 2 बजे से वरिष्ठ वर्ग की गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने शास्त्रीय एवं सुगम गायन की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से सुर-साधना का उज्ज्व प्रदर्शन किया।

सरकार के 2 साल के कामकाज पर चर्चा के बजाय कांग्रेस का सदन में हंगामा व वॉकआउट विपक्ष की नारेबाजी और विरोध के कारण स्पीकर को पांच बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में शनिवार को सरकार के दो साल के कामकाज के प्रतिवेदन पर चर्चा के बजाय विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने “दो साल बनाम पांच साल” पर बहस कराने की मांग की, जबकि सत्ता पक्ष केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा कराने पर अडा रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद इतना बढ़ा कि कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। देखते हुए देखते हंगामा और विवाद इतना बढ़ा कि स्पीकर वासुदेव देवनानी को सदन की कार्यवाही 5 बार स्थगित करनी पड़ गई। नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष से किसी विधायक ने सदन में चर्चा नहीं की, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो विपक्षी विधायक करीब 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए।

दरअसल शनिवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा में सरकार के 2 साल के कार्यकाल के प्रतिवेदन पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति जताते हुए कहा कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएस) में “पांच साल बनाम दो साल” पर बहस कराने का निर्णय हुआ था। केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा करना तय व्यवस्था के खिलाफ है। संसदीय कार्यमंत्री

- नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के किसी विधायक ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया, मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए**

जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा ने गत 5 फरवरी को मुख्यमंत्री के सदन में बयान का हवाला देते हुए कहा कि बहस “2 साल बनाम 5 साल” पर चर्चा करवाने की सीएम ने घोषणा की थी। यहां इस प्रस्ताव से मुख्यमंत्री की बेइज्जती हो रही है। जब मुख्यमंत्री की बात की ही वैल्यू नहीं है तो फिर हमारा क्या मतलब है? डोटसरा के इस बयान के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लंबी नोकझोंक हुई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल पटेल और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटसरा के बीच नोकझोंक होने के बाद भारी हंगामा हुआ। इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी।हंगामे के बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर बहस से भागने का आरोप लगाया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार के मंत्री बहस से भागकर इसका इल्जाम हम पर डालना चाहते हैं। बहस करें तो “5 साल बनाम 2 साल” का प्रस्ताव

राजस्थान में ‘होमस्टे योजना-2026’ लागू पर्यटन और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ‘ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस’ और ‘ईज ऑफ़ लिविंग’ की अवधारणा को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए पर्यटन क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत प्रदेश में ‘राजस्थान होमस्टे’ (पेगैंग गेस्ट हाउस) योजना-2026’ को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन) प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उम्मुखमंत्री दिया कुमारी के विजन के अनुरूप यह योजना पर्यटन विकास, ग्रामीण आय में वृद्धि और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के डिरेगुलेशन 2.0 उपायों और ‘ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस’ की भावना के अनुरूप योजना को सलीकृत किया गया है।

योजना के तहत होमस्टे खोलने की प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज और किफायती बनाया गया है। अब सिंगल-विंडो सिस्टम, कम दस्तावेज और आसान पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। पहले जहां कई विभागों की अनुमति और अधिक कागजी कार्यवाही करनी पड़ती थी, अब लार्सेंस प्रक्रिया को कम कर डिजिटल और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था की गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार राज्य के निवासी अपने घर या संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने के लिए उपलब्ध करा सकेंगे। इससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी सीधे पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकेंगे। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय लोगों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति

और जीवनशैली का अनुभव मिलेगा।

योजना के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या पांच से बढ़ाकर आठ कर दी गई है, जबकि अधिकतम 24 बेड की अनुमति होगी। इससे आवास क्षमता बढ़ेगी, लेकिन होमस्टे का पारिवारिक स्वरूप भी सुरक्षित रहेगा।

पूर्व में लागू वह शर्त, जिसके तहत संपत्ति स्वामी या परिवार के सदस्य का उसी परिसर में निवास अनिवार्य था, अब समाप्त कर दी गई है। अब संचालन संपत्ति स्वामी, लीजधारी या निर्धारित मानकों के अनुसार नियुक्त केयरटेकर द्वारा किया जा सकेगा।

पंजीकरण प्रक्रिया को शीघ्र ही पूर्णतः ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन मिलने के सात कांयों दिवस के भीतर अस्थायी पंजीकरण जारी किया जाएगा, जिससे संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा। तीन माह के भीतर निरीक्षण के बाद स्थायी पंजीकरण प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्ष होगी। यदि निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जारी नहीं होता है, तो आवेदन स्वतः पंजीकृत माना जाएगा।

पंजीकरण पर्यटन विभाग के स्थानीय कार्यालयों और पर्यटक स्वागत केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकेन्द्रीकृत क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। योजना के अनुसार प्रत्येक होमस्टे रिहायशी परिसर में संचालित होगा और प्रत्येक किराये के कमरे में अटेच बाथरूम, स्वच्छता, जल एवं बिजुत आपूर्ति, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होगा। विदेशी पर्यटकों को सूचना संबंधित प्राधिकरण को देना और अतिथि पंजीका कर सात वर्ष तक संधारण भी आवश्यक होगा।

पतंजलि विश्वविद्यालय में “योगधर्म से युगधर्म” थीम पर वार्षिकोत्सव

हरिद्वार (कासं)। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महोत्सव “अभ्युदय 2026” का आयोजन अत्यंत गरिमा, आध्यात्मिक उल्लास और राष्ट्रगौरव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन प्राचीन गुरुकुल परंपरा और आधुनिक शिक्षा के सजीव समन्वय का प्रतीक बनकर उभरा। इस वर्ष अभ्युदय कार्यक्रम की थीम “योगधर्म से युगधर्म” रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने “योगधर्म से युगधर्म” नाट्य प्रस्तुति ने अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी-विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब उस पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं जो पूरी दुनिया का संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र है। आप सभी इस ऋषि संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर इस अनुशाध को आगे बढ़ा रहे हैं। नाट्य प्रस्तुति देखकर उन्होंने कहा कि आज एक षड्यंत्र के तहत विश्वगुरु भारत को लेकर कई भ्रामक रील्स चल रही हैं, लेकिन भारत विश्वगुरु था, है और हमेशा विश्वगुरु रहेगा। वो शक्ति, शौर्य, वीरता, पराक्रम और हृदय की विकल्ता कि विकल्त रहित संकल्प, अखण्ड-प्रचण्ड पुरुषार्थ, बड़ी सोच, कड़ी मेहनत और पक्के इरादे के साथ चरैवेतित-चरैवेति हम आगे बढ़ेंगे और भारत को इसका खोया हुआ गौरव दिलाकर रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष



पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महोत्सव “अभ्युदय 2026” का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

स्वामी चिदानन्द मुनि महाराज ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय एक अद्वितीय साधना-स्थली है। योग केवल वैश्विक लोकप्रियता का विषय नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। पतंजलि विश्वविद्यालय एक संकल्प है जिसमें स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण महाराज का तप निहित है। यह तो अभी शुरूआत है, यह यात्रा बहुत लम्बी चलेगी। आध्यात्मिक मार्गदर्शिका साध्वी भगवती सरस्वती, विशिष्ट अतिथि संगीत दिनेश अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेच, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बृजभूषण ओझा और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीनिवास रवखेड़ी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने नाट्य प्रस्तुति के सफल आयोजन के लिए सादर्य देवप्रिया का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में सनातन संस्कृति के उद्घोषक महागण्डोलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद ने कहा कि इन दोनों महापुरुषों ने योग-आयुर्वेद को विश्व पटल पर पहुंचाया। कार्यक्रम में पतंजलि

हथियार लेकर घूम रहे स्कॉर्पियो सवार दो बदमाश पकड़े

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने बस्सी थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन ऑगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो में हथियार तस्करी करने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीएसटी ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बस्सी थाना इलाके में दो बदमाश स्कॉर्पियो में अवैध हथियार की सल्लाई करने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना के बाद सीएसटी ने बस में नाकाबंदी की। नाकाबंदी में स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद हुए। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपित अनिल कुमार उर्फ सुखा (21) निवासी दादरपुर धौलपुर और लोकेश उर्फ निवासी अखैरपुर का दबोच लिया।

चारागाह जमीन आवंटन पर 400 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने सदन में कहा कि “पिछली कांग्रेस सरकार में बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई।”

-विधानसभा संवाददाता-**जयपुर ।** भारतीय जनता पार्टी के केकड़ी से विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पिछली कांग्रेस सरकार पर चारागाह जमीन के गलत आवंटन के जरिए 400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। विधानसभा में शनिवार को उन्होंने कहा कि बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई। गौतम ने आरोप लगाया कि

वाजपेयी पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय संस्कृति के शिखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि मैं वह अत्यंत सौभाग्यशाली हूँ कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को निकट से देखने और उनके साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। अटलजी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में हुआ। इस अवसर पर सीएम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति श्री. पी. राधाकृष्णन, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. आशिष कुमार पोष तथा प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ डॉ.



भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली में हुआ।

एम. एम. जोशी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल प्रो. आशिष कुमार पोष एवं डॉ. एम. एम. जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि यह कॉफी टेबल बुक अटल बिहारी

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से महिला की मौत

जयपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42 लाख 87 हजार 103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे-आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1 लाख 57 हजार 431 फॉर्म-6/6, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क किनारे खड़े महिला और उसके भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली एक बाइक, पतासी के ठेले और दो घिसीले के खंभों को भी तोड़ते हुए जा चुकी। चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। थानाधिकारी उदय यादव ने बताया कि हरमाड़ा थाने के सामने नातकी और उसका भतीजा मुकेश बस का ईंजिनार कर रहे थे। इसी दौरान पत्र में दर्द होने के कारण नानकी की बहन पीछे-पीछे पैदल आ रही थी। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे टोडी मोड़ की ओर से पथरों से

भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली आई। सामने आ रही एक कार को बचने के प्रयास में चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खड़ी नानकी और उसके भतीजे मुकेश को जोरदार टक्कर मारते हुए एक बाइक और पतासी के ठेले को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद वाहन दो बिजली के पोल तोड़ते हुए जाकर रुका। हादसे में नॉइड मोड़ निवासी नानकी देवी (60) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुकेश सैन (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डिफाल्टर बिल्डर के ऋण की वसूली पूर्व में आवंटित फ्लैट्स से नहीं कर सकते : रेरा

जयपुर (कासं)। रेरा ने एक फैसले में कहा कि लोन से पूर्व आवंटित फ्लैट्स से डिफाल्टर बिल्डर के लोन की वसूली नहीं की जा सकती। इसके साथ बिल्डर कम्पनी के खिलाफ दिवालिया कानून में कार्रवाई के चलने के दौरान भी रेरा बिल्डर कंपनी के निदेशकों व भू-स्वामी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों को संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्राथना पत्र पर दिया।

रेरा ने माना कि जमीन मालिक, बिल्डर के साथ प्रोजेक्ट की शुरूआत से ही सहभागी रहे हैं, उसने बिल्डर की ओर से प्राप्त राशि में से अंश राशि भी ली है। एनसीएलटी में दिवालिया कानून के तहत कार्रवाई शुरू होने पर बिल्डर कंपनी ने रेरा में आवंटियों को कार्रवाई को खत्म करने का प्राथना

- रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्राथना पत्र पर दिया।**

पत्र लगाया था। वहीं आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने कहा कि बिल्डर ने उनसे करोड़ों रुपए लेने के बाद भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया और उसने इस राशि को खुर्द-बुर्द कर दिया।

वहीं विवेकी कंपनी ईसीएल से मिलीभागत कर पूरी इमारत को लोन के लिए गिरवी रख दी। आवंटियों को 12 साल बाद भी न तो फ्लैट का

कब्जा मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए। इसलिए बिल्डर का प्रार्थना पत्र खारिज करें। दरअसल बिल्डर कम्पनी मैसर्स जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स व डवलपर्स ने साल 2012 में भिवाडी में एवलोन रॉयल पार्क आवासीय प्रोजेक्ट का काम शुरू किया। इसमें 1200 से ज्यादा फ्लैट्स बनने थे और निर्माण 2017 तक होना था। बिल्डर ने 700 से ज्यादा फ्लैट्स का बेचान 2012 से 2016 के दौरान आवंटियों को किया। वहीं आवंटियों से करीब 300 करोड रुपए लेकर भी पूरा प्रोजेक्ट विकसित नहीं किया। इसके बाद साल 2018 में बिल्डर ने पूरे प्रोजेक्ट को ही ईसीएल फाइनेंस को 50 करोड रुपए में गिरवी रख दिया। जिस पर ईसीएल की ओर से इनवेन्ट एफिट नाम की कम्पनी ने एनसीएलटी में लोन की वसूली की याचिका दायर की।

निर्माण को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान बाइपास को इस तरह घुमाया गया कि जिन स्थानों पर कांग्रेस नेताओं की जमीनें थी, वहां से मार्ग निकाला गया। उनके अनुसार, कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियों की गईं और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियों की। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

‘पेपरलीक व भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी की सी.बी.आई. जांच हो’ भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में नारेबाजी कर पोस्टर लहराए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा में राजस्व की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान

भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायकों ने सदन में नारेबाजी की और पोस्टर लगाए। बीएपी विधायकों ने पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ाियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की। बीएपी विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग वाली टीशर्ट पहन रखी थी। उन्होंने कहा कि चारागाह की जमीन नियमों के तहत दी ही नहीं जा सकती थी, फिर भी मुआवजे के नाम पर उसका आवंटन किया गया।

विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग वाली टीशर्ट पहन रखी थी। उन्होंने कहा कि चारागाह की जमीन नियमों के तहत दी ही नहीं जा सकती थी, फिर भी मुआवजे के नाम पर उसका आवंटन किया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ड़ॉप कर दिया। विधायक गौतम ने केकड़ी क्षेत्र में बाइपास

की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मेरे साढ़ू डोटसराजी को सुनाओ। साढ़ू बहरे हो गए, इन्हें सुनाई नहीं दे रहा। कुछ दर नारेबाजी के बाद माहौल शांत हो गया।

इससे पहले बीएपी विधायक

थावरचंद ने कहा कि यहां पर मंत्री डॉ. किरोडीलाल बेठे हैं। इन्होंने कांग्रेस राज में खूब धरने दिए। आपने

बेरोजगारों को न्याय का भरोसा दिया था। आपकी सरकार आने पर आपसे उम्मीद थी कि बेरोजगारों से अन्याय करने वाले चोरों को जेल भेजेंगे, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में घांथली की सीबीआई जांच होनी चाहिए। बहस के बाद राजस्व विभाग की अनुदान मांगें पारित कर दी गईं।